

“स्नातक स्तर पर अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन”

<sup>1</sup>Dr. Kalpana Segar, <sup>2</sup>Pooja Sharma

<sup>1</sup>Professor, Faculty of Education

Apex University, Jaipur (Raj.)

<sup>2</sup>Phd Scholar, Education Dept.

,Apex University, Jaipur (Raj.)

सारांशिका (Abstract)

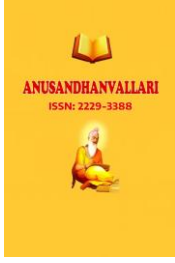
प्रस्तुत अध्ययन स्नातक स्तर पर अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन है। वर्तमान सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के युग में डिजिटल तकनीक शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न एवं अनिवार्य अंग बन चुकी है। ऑनलाइन शिक्षण, ई-लर्निंग संसाधन, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं शैक्षिक ऐप्स ने विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया है। तथापि शहरी एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों में डिजिटल साधनों की उपलब्धता, उनके उपयोग की आवृत्ति तथा डिजिटल तकनीक के प्रति दृष्टिकोण में स्पष्ट अंतर देखा जाता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य शहरी एवं ग्रामीण स्नातक विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण करना है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा प्राप्त आँकड़ों का उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों द्वारा विश्लेषण किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष शहरी-ग्रामीण डिजिटल अंतर को स्पष्ट करते हैं तथा शैक्षिक सुधार हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करते हैं।

प्रस्तावना

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक और क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। वर्तमान डिजिटल युग में शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया पारंपरिक कक्षा शिक्षण तक सीमित न रहकर ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, डिजिटल शैक्षिक सामग्री, वर्चुअल कक्षाओं तथा शैक्षिक मोबाइल ऐप्स के माध्यम से अधिक सुलभ, रोचक एवं प्रभावी बन गई है। डिजिटल तकनीक ने विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त करने के विविध अवसर प्रदान किए हैं तथा आत्म-अध्ययन और कौशल विकास को प्रोत्साहित किया है।

हालाँकि डिजिटल शिक्षा के इन लाभों के बावजूद शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता, इंटरनेट सुविधा, तकनीकी उपकरणों के उपयोग तथा डिजिटल साक्षरता में असमानता स्पष्ट रूप से देखी जाती है। शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत बेहतर डिजिटल सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी अनेक बार संसाधनों के अभाव, तकनीकी ज्ञान की कमी एवं सीमित अवसरों के कारण डिजिटल तकनीक का समुचित लाभ नहीं उठा पाते। इसका सीधा प्रभाव विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति पर पड़ता है, जो उनके सीखने की रुचि, आत्मविश्वास एवं तकनीक के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करती है।

इसी पृष्ठभूमि में स्नातक स्तर पर अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है। यह अध्ययन न केवल डिजिटल असमानता को समझने में सहायक होगा, बल्कि उच्च शिक्षा में समान अवसर प्रदान करने हेतु प्रभावी शैक्षिक योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण में भी उपयोगी सिद्ध होगा।



## अध्ययन की आवश्यकता

शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच डिजिटल अभिवृत्ति के अंतर को समझने हेतु शहरी एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के बीच डिजिटल तकनीक के प्रति दृष्टिकोण, रुचि, आत्मविश्वास तथा उपयोग की प्रवृत्ति में स्पष्ट अंतर देखा जाता है। यह अंतर डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता, तकनीकी प्रशिक्षण तथा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होता है। इस अध्ययन की आवश्यकता इसलिए है ताकि इन अंतरों को वैज्ञानिक रूप से समझा जा सके और यह जाना जा सके कि किस प्रकार यह डिजिटल अभिवृत्ति विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को प्रभावित करती है।

डिजिटल डिवाइड को कम करने के लिए शैक्षिक योजनाओं के निर्माण में सहायक डिजिटल डिवाइड आधुनिक शिक्षा प्रणाली की एक गंभीर चुनौती है, जो शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच असमान अवसर उत्पन्न करती है। इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष नीति-निर्माताओं एवं शैक्षिक प्रशासकों को यह समझने में सहायता प्रदान करेंगे कि किन क्षेत्रों में हस्तक्षेप की आवश्यकता है। इसके आधार पर प्रभावी शैक्षिक योजनाएँ, डिजिटल अवसंरचना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किए जा सकते हैं।

## नई शिक्षा नीति (NEP) के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु

नई शिक्षा नीति डिजिटल शिक्षा, तकनीकी समावेशन एवं समान अवसरों पर विशेष बल देती है। प्रस्तुत अध्ययन यह स्पष्ट करेगा कि स्नातक स्तर पर डिजिटल तकनीक को अपनाने की वर्तमान स्थिति क्या है। इससे यह मूल्यांकन करने में सहायता मिलेगी कि NEP के उद्देश्यों की पूर्ति किस हद तक हो रही है तथा किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

## ग्रामीण विद्यार्थियों में डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए

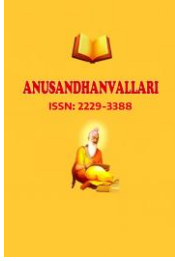
ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक विद्यार्थी डिजिटल तकनीक के लाभों से पूर्णतः परिचित नहीं होते, जिसके कारण उनकी डिजिटल अभिवृत्ति नकारात्मक या सीमित रह जाती है। यह अध्ययन ग्रामीण विद्यार्थियों की वास्तविक स्थिति को उजागर करेगा तथा उनके लिए डिजिटल साक्षरता, प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता को रेखांकित करेगा। इससे ग्रामीण विद्यार्थियों को डिजिटल युग के अनुरूप सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी।

## समस्या कथन

“स्नातक स्तर पर अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन”

## अध्ययन के उद्देश्य

- स्नातक स्तर के शहरी विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति का अध्ययन करना।



- 
- स्नातक स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
  - शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति में अंतर का तुलनात्मक अध्ययन करना।

### परिकल्पना

1. शहरी एवं ग्रामीण स्नातक विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

### शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में **वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया गया है।

### चर (Variables)

- **स्वतंत्र चर:** क्षेत्र (शहरी एवं ग्रामीण)
- **आश्रित चर:** डिजिटल अभिवृत्ति

### जनसंख्या

- इस अध्ययन की जनसंख्या संबंधित क्षेत्र के स्नातक स्तर पर अध्ययनरत सभी विद्यार्थी हैं।

### न्यादर्श (Sample)

अध्ययन हेतु कुल **100 स्नातक विद्यार्थियों** का चयन किया गया, जिनमें

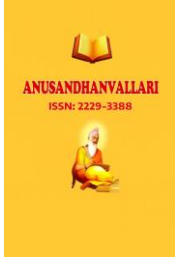
- 50 शहरी विद्यार्थी
- 50 ग्रामीण विद्यार्थी शामिल हैं।

### उपकरण

- डिजिटल अभिवृत्ति के मापन हेतु शोधकर्ता द्वारा निर्मित/मानकीकृत **डिजिटल अभिवृत्ति मापनी** का प्रयोग किया गया।

### तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण **मध्यमान, मानक विचलन एवं t-परीक्षण** द्वारा किया गया। विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि शहरी विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक पाई गई।



## सुझाव

- ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाई जाए।
- विद्यार्थियों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
- शिक्षण संस्थानों में ई-लर्निंग सुविधाओं का विस्तार किया जाए।

## निष्कर्ष

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि शहरी एवं ग्रामीण स्नातक विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति में अंतर पाया जाता है। शहरी विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक सकारात्मक है। अतः ग्रामीण विद्यार्थियों की डिजिटल अभिवृत्ति को सशक्त बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए।

## संदर्भ सूची (References)

### हिंदी पुस्तकें

1. अग्रवाल, जे. सी. (2015). *शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ*. आगरा: श्री विनोद पुस्तक मंदिर।
2. भटनागर, ए. बी. (2016). *आधुनिक शिक्षण विधियाँ*. मेरठ: आर. लल बुक डिपो।
3. मिश्रा, आर. सी. (2017). *शैक्षिक मनोविज्ञान*. इलाहाबाद: किताब महल।
4. पाण्डेय, के. पी. (2018). *शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीक*. नई दिल्ली: एपीएच पब्लिशिंग।
5. सिंह, एल. पी. (2019). *शिक्षा में नवाचार एवं तकनीक*. नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन्स।

### अंग्रेज़ी पुस्तकें

6. Aggarwal, J. C. (2014). *Educational Research: An Introduction*. New Delhi: Arya Book Depot.
7. Anderson, T. (2008). *The Theory and Practice of Online Learning*. Athabasca University Press.
8. Bates, A. W. (2015). *Teaching in a Digital Age*. Vancouver: BCcampus.
9. Mishra, P., & Koehler, M. J. (2006). Technological Pedagogical Content Knowledge (TPACK). *Teachers College Record*, 108(6), 1017–1054.
10. Moore, M. G., & Kearsley, G. (2012). *Distance Education: A Systems View of Online Learning*. Belmont: Wadsworth.

### शोध पत्रिकाएँ (Journals)

11. Selwyn, N. (2016). Education and Technology: Key Issues and Debates. *London: Bloomsbury*.
12. Gupta, S., & Sharma, R. (2020). Attitude of Undergraduate Students towards E-Learning. *International Journal of Educational Research*, 8(2), 45–52.
13. Al-Rahmi, W. M., et al. (2019). Use of E-Learning by University Students. *Education and Information Technologies*, 24(1), 1–17.